इकाई 3

तीसरी इकाई का शीर्षक **'जान-पहचान'** है। इसका पहला पाठ अनंतगोपाल शेवड़े का प्रेरणाप्रद लेख 'आनंद की फुलझड़ियाँ' है। मधुर वचन औषधि के समान है। सुननेवाले के कानों के ज़रिए वह पूरे शरीर में फैलता है, उसे खुश करता है। मधुर वचन और आचरण से समाज में आनंद की फुलझड़ियाँ आसानी से खिलाई जा सकती हैं। हमें सिर्फ स्वार्थ को छोड़कर परार्थ के लिए काम करना चाहिए। अगला पाठ 'पत्थर की बैंच' समकालीन हिंदी कविता के सशक्त हस्ताक्षर चंद्रकांत देवताले की मार्मिक कविता है। आज तुच्छ व निस्सार बातों पर भी दंगा-फसाद होता है। इस बात को कवि सड़क के छोर पर पड़ी मामूली पत्थर की बैंच के ज़रिए प्रभावी ढंग से व्यक्त करते हैं। 'सृजन की ओर' पाठ से अध्येता अनुवाद करने की क्षमता पाता है। तीसरी इकाई का अंतिम पाठ 'दुख' है। मार्क्सवाद से प्रभावित हिंदी के जाने-माने प्रगतिवादी कथाकार यशपाल की कहानी है दुख। सबके अपने-अपने दुख होते हैं। कहानी के नायक को खोमचेवाले बालक के घर जाने पर मालूम हो जाता है कि अभाव और दरिद्रता के दुख के आगे उसका या उसकी पत्नी का दुख कितना तुच्छ है, निस्सार है।

आनंद की फुलझड़ियाँ

मूल्य एवं मनोभाव : जीवन और प्रकृति के प्रति सकारात्मक बनता है।

समय : 6 घंटे

आशय/धारणा	गतिविधियाँ एवं निर्धारण	अधिगम उपलब्धियाँ
• निबंध वैयक्तिक दृष्टिकोण प्रकट करने का सशक्त माध्यम है। • घटनाप्रधान निबंध में घटनाओं के विधांतरण की बड़ी संभावना है।	▸ प्रवेश कार्य : ▸ निबंध की वाचन-प्रक्रिया (स्वनिर्धारण) ▸ विश्लेषणात्मक प्रश्नों के ज़रिए चर्चा (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ पात्रों और घटनाओं का मिलान (स्वनिर्धारण) ▸ घटना का संक्षेपण (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ पत्र-लेखन (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ वार्तालाप की तैयारी (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ आत्मकथा की तैयारी (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ विज्ञापन की तैयारी (अध्यापिका का निर्धारण)	• निबंध का आशयग्रहण करके घटनाओं का वर्गीकरण करता है। • कल्पना द्वारा घटनाओं का विधांतरण करता है।

पत्थर की बैंच

मूल्य एवं मनोभाव : अपना स्वत्व खोजता है। **समय : 5 घंटे**

आशय/धारणा	गतिविधियाँ एवं निर्धारण	अधिगम उपलब्धियाँ
• समकालीन कविता व्यक्ति एवं समाज की आशंकाओं को संप्रेषित करती है।	▸ प्रवेश कार्य ▸ कविता की वाचन-प्रक्रिया (स्वनिर्धारण) ▸ विश्लेषणात्मक प्रश्नों के ज़रिए चर्चा (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ वाक्यों की पूर्ति ▸ कवि की ई-मेल का वाचन एवं चर्चा (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ चित्र-वाचन (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ चर्चा (आपसी निर्धारण) ▸ लेख की तैयारी (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ आस्वादन-टिप्पणी की तैयारी (अध्यापिका का निर्धारण)	• बीसवीं सदी के अंतिम दशक की कविता का आस्वादन करके टिप्पणी लिखता है।

सृजन की ओर

मूल्य एवं मनोभाव : राष्ट्रीय अखंडता की भावना समय : 3 घंटे

आशय/धारणा	गतिविधियाँ एवं निर्धारण	अधिगम उपलब्धियाँ
• अनुवाद में सृजनपरता है	▸ प्रवेश कार्य ▸ पाठ का नाम ▸ Letter to the Editor का वाचन (स्वनिर्धारण) ▸ विश्लेषणात्मक प्रश्नों के ज़रिए चर्चा (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ पाठकनामा का संशोधन (स्वनिर्धारण) ▸ संकेतों का अनुवाद (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ संवाद का अनुवाद (अध्यापिका का निर्धारण)	• स्रोत सामग्री का आशयग्रहण करके लक्ष्य भाषा में अनूदित करता है।

दुख

मूल्य एवं मनोभाव : संवेदनशील बनता है। **समय : 9 घंटे**

आशय/धारणा	गतिविधियाँ एवं निर्धारण	अधिगम उपलब्धियाँ
• संवेदना की अभिव्यक्ति वर्तमान कहानी की विशेषता है। • व्यक्ति का आत्मसंघर्ष पत्र और डायरी के द्वारा अभिव्यक्त करना संभव है। • जिंदगी को बहुआयामी परिप्रेक्ष्य से देखना है। • आशय के स्पष्टीकरण में वादविवाद की अपनी भूमिका है।	▸ प्रवेश कार्य : ▸ कहानी की वाचन प्रक्रिया (स्वनिर्धारण) ▸ विश्लेषणात्मक प्रश्नों के ज़रिए चर्चा (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ पत्र की तैयारी (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ सूचकों के आधार पर चर्चा एवं डायरी लेखन (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ कथन पर टिप्पणी लेखन (आपसी निर्धारण) ▸ वाद-विवाद (आपसी निर्धारण) ▸ आलेख की तैयारी (अध्यापिका का निर्धारण)	• वर्तमान कहानी की संवेदना एवं शैली पहचानकार कहानी के प्रसंगों का विधांतरण करता है। • कहानी की विवेचना करके टिप्पणी लिखता है। • वाद-विवाद में अपना मत तर्कसंगत प्रस्तुत करते हुए आलेख तैयार करता है।

आनंद की फुलझड़ियाँ

अधिगम उपलब्धियाँ

3.1 निबंध का आशय ग्रहण करके घटनाओं का वर्गीकरण करता है।

3.2 कल्पना द्वारा घटनाओं का विधांतरण करता है।

3.3 जीवन और प्रकृति के प्रति सकारात्मक बनता है।

आशय/धारणा

- निबंध वैयक्तिक दृष्टिकोण प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।
- घटनाप्रधान निबंध में विधांतरण की बड़ी संभावना है।

समय : 6 घंटे

सामग्री : वीडियो / चित्र (5)

प्रवेश कार्य

- 'इंसानियत' वीडियो / चित्र का प्रदर्शन
- अध्यापिका प्रश्न पूछें -
  - आपने वीडियो / चित्र में क्या दृश्य देखा ?
  - दृश्य का प्रत्येक पात्र क्या कर रहा है?
  - दृश्य के युवक के चरित्र की विशेषता क्या है?
  - इससे क्या संदेश मिलता है?
- छात्र अपनी प्रतिक्रिया प्रस्तुत करें।

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

अपने कर्म से दूसरों को खुशी मिलने पर हमें जो संतोष का अनुभव होता है, वह बहुत बड़ा है। अब हम चर्चा करेंगे अनंत गोपाल शेवडे का निबंध आनंद की फुलझड़ियाँ...

- अधिगम प्रक्रियाएँ सुचारू ढंग से चलाने के लिए आनंद की फुलझड़ियाँ निबंध को पाँच भागों में बाँटें।

  वाचन प्रक्रिया - **सूचनात्मक वाचन**

- छात्र निबंध के पहले अंश (एक बूढ़ा आदमी..... आलोकित हो उठेगा) का वाचन करें और अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ निकालें।

(शब्दार्थों के चयन पर स्वनिर्धारण)

- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें -
  - ज़मीन कौन खोद रहा था?
  - बूढ़े आदमी क्या बो रहे हैं?
  - नौजवान के प्रश्न पर बूढ़े का उत्तर क्या था?
  - पूर्वजों की मनोवृत्ति का फल क्या है?
  - लेखक ने सुंदर समभाव की परिभाषा कैसे दी है?

(छात्रों की प्रतिक्रिया पर आपसी निर्धारण)

विश्लेषणात्मक वाचन

- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें -

  जैसे :

  - हमारे पूर्वजों की इसी मनोवृत्ति का फल है जो हम जगह-जगह अमराई देखते हैं। कौन-सी मनोवृत्ति?

(प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

- दूसरा अनुवर्ती कार्य (संक्षेपण) चलाएँ।
- संक्षेपण की प्रक्रियाएं । (ग्रूप कार्य)
- परिच्छेद पढ़कर अधिकाधिक प्रश्न बनाएँ ।
- आशय के क्रमानुसार प्रश्न बॉर्ड पर लिखें।
- मुख्य आशय को सूचित करनेवाले प्रश्नों का चयन करें।
- उन प्रश्नों का उत्तर लिखें।
- उनको मिलाकर अनुच्छेद के रूप में लिखें।
- शीर्षक दें।
- संशोधन की प्रक्रिया चलाएँ। (आशयपरक)
- एक ग्रूप की ओर से संक्षेपण की प्रस्तुति।

- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें -

  जैसे : क्या घटना का मुख्य आशय इसमें आया है?

  - आशय क्रमानुसार है?
  - कोई आशय जोड़ना या काटना है?
  - संक्षिप्तता है?
  - शीर्षक विषयानुकूल है?
- टीचर वेर्शन की प्रस्तुति।
- छात्रों द्‌वारा वैयक्तिक पुनर्लेखन।

  (सूचकों के आधार पर (पन्ना सं. 59) स्वनिर्धारण)
- छात्र निबंध के दूसरे अंश (वृद्‌ध संभ्रांत महिला..... विश्वास कर सकते हैं) का वाचन करें और अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ निकालें।

  (शब्दार्थों के चयन पर स्वनिर्धारण)

सूचनात्मक वाचन

- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें -

  जैसे : रेलगाड़ी में बैठकर संभ्रांत महिला क्या कर रही थी?

  - महिला किस उम्मीद से फल और फूलों के बीज फेंक रही है?

  (प्रतिक्रिया पर छात्रों का आपसी निर्धारण)

विश्लेषणात्मक वाचन

- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें -

  जैसे : दुनिया रहने लायक कैसे बनी?

  - किस प्रकार के लोगों को देखकर मानव जाति के भविष्य पर श्रद्‌धा और विश्वास कर सकते हैं?

  (प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)
- तीसरा अनुवर्ती कार्य चलाएँ।
- वैयक्तिक रूप से वार्तालाप लिखें।

  (सूचकों के आधार पर (पन्ना संख्या 60) वार्तालाप का स्वनिर्धारण)

वार्तालाप की टीचर-वेर्शन

सहयात्री	:	आप क्या कर रही हैं बहनजी?
महिला	:	मैं बीज फेंकती जा रही हूँ।
सहयात्री	:	बीज? कौन-सा बीज?
महिला	:	ये तो सुंदर फलों और फूलों के बीज हैं।
सहयात्री	:	आप ये बीज क्यों फेंक रही हैं?
महिला	:	इनमें से कुछ जड़ पकड़ लेंगे तो लोगों का फायदा होगा।
सहयात्री	:	यह तो अच्छा है। इससे पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा।
महिला	:	बिलकुल! यह तो बेहतर कल के लिए है। पता नहीं आगे मैं इस रास्ते से गुज़रूँ कि नहीं, फिर भी यह अपना कर्तव्य मानती हूँ।
सहयात्री	:	एकदम सही है।
महिला	:	हम अधिक से अधिक वृक्ष लगाएँ और अपनी पृथ्वी को बचाएँ।
सहयात्री	:	ठीक है। अब मैं भी कुछ करूँगी।

- दो-एक छात्र हाव-भाव के साथ वार्तालाप प्रस्तुत करें।

(प्रस्तुति पर अध्यापिका का निर्धारण)

- छात्र निबंध के तीसरे अंश का (बेंचमिन..... असर न हुआ तो फिर क्या) वाचन करें और अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ निकालें।

(शब्दार्थों के चयन पर स्वनिर्धारण)

सूचनात्मक वाचन

- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें -

  जैसे : बेंचमिन फ्रांक्लिन ने विद्यार्थी की मदद कैसे की?

  - कुछ दिनों के बाद विद्यार्थी डॉलर लौटाने आए तो फ्रांक्लिन ने क्या कहा?
  - अगर हम चाहें तो क्या-क्या कर सकते हैं?
  - हमारा जीवन मुसीबतों से भरा पड़ा है - कैसे?

(छात्रों की प्रतिक्रिया पर आपसी निर्धारण)

विश्लेषणात्मक वाचन

- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें -

  जैसे : बीस डॉलर किनके हाथों में घूम रही है?

  - ज़रूरतमंद कौन-कौन हो सकता है?
  - हम जीवन को जीने लायक बना सकते हैं - कैसे?

  (छात्रों की प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

- अनुवर्ती कार्य 5 (आत्मकथांश) चलाएँ -
- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें -
  - दुनिया में सब कहीं गरीबी है या नहीं?
  - गरीबी का क्या-क्या कारण हो सकता है?
  - दुनिया की संपत्ति का बड़ा हिस्सा किसके हाथ में है?
  - गरीबी दूर करने के लिए संपत्ति का कैसे उपयोग करना है?
  - अमीर-गरीब का भेदभाव मिटाने को क्या करना है?
  - कौन रोटी का महत्व पहचानता है?
  - रुपए का महत्व कौन पहचानता है?
  - रुपए का मूल्य कब बढ़ जाता है?

  (प्रतिक्रिया पर आपसी निर्धारण)

- सूचकों को (पन्ना संख्या-60) विकसित करके आत्मकथा लिखें। (ग्रूपकार्य)
- किसी एक ग्रूप की प्रस्तुति।
- आशयपरक संशोधन के लिए प्रश्न पूछें:

  जैसे : क्या रकम की आत्मकथा में वर्तमान अनुभवों का ज़िक्र हुआ है?

  - वर्तमान समाज की दशा का वर्णन है?
  - सभी बिंदुओं को विकसित किया है?
  - आत्मनिष्ठ भाषाशैली है?
- टीचर-वेर्शन की प्रस्तुति।

आत्मकथांश की टीचर-वेर्शन

मैं बीस डॉलर की रकम हूँ। मेरा जन्म अमेरिका में हुआ था। जन्म लेने पर मैं कितने ही हाथों से चलती रही। एक बार अमेरिकन प्रसिडेंट बेंचमिन फ्रांक्लिन ने मुझे एक गरीब छात्र को दिया था। अपनी पढ़ाई के लिए उसने मेरा उपयोग किया। उस दिन मैं बहुत खुश था। फिर एक दिन मुझे उसने लौटा दिया, मगर उस समय फ्रांक्लिन ने जो बात उससे कहा था, अब भी मेरे कानों में गूँज रही है। "मुझे याद तो नहीं है कि मैंने यह रकम आपको कब दी। लेकिन खैर, आप इसे अपने ही पास रखिए और जब आपके पास कोई ऐसा ही ज़रूरतमंद आए तो उसे यह दे दीजिए।" उसी दिन से कितने ही हाथों से मैं चल रही हूँ, कितनी ज़रूरतों के लिए मैं काम आई, मैं ही जानती हूँ। कभी दवाई की दुकानों में, कभी भोजनालय में, कभी रेलगाड़ी में... न जाने कहाँ-कहाँ से गुज़र रही हूँ। मगर आज मेरी हालत कैसे बताऊँ? एक 'बॉक्स' के अंदर कितने दिनों से घुटती हूँ, कोई न देखता, कोई न लेता, मेरी जैसी कितनी रकम कितनी-कितनी अलमारियों में बिना किसी उपयोग जी रही हूँ। आज के समाज में ऐसी आर्थिक अव्यवस्था क्यों आ गई है? जब हम जैसी रकम ज़रूरतों के लिए इस्तेमाल हो जाएगी, तब मेरी जैसी रकमों की ज़िंदगी अनमोल बन जाएगी।

- छात्र वैयक्तिक रूप से आत्मकथा का पुनर्लेखन करें।

  (सूचकों के आधार पर आत्मकथा का स्वनिर्धारण)

सूचनात्मक वाचन

- छात्र निबंध के चौथे अंश का (अपने काम से एक बार..... कुछ नहीं) वाचन करें और अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ लें।

  (शब्दार्थों के चयन पर स्वनिर्धारण)

  - किसके लिए छीना-झपटी होती थी?
  - टिकट बाबू किन बातों को सुना-अनसुना करके अपना काम करते रहे?
  - टिकट बाबू पर किन शब्दों का अजीब असर पड़ा?
  - टिकट बाबू का हृदय कब मोम-सा हो गया?

  (प्रतिक्रिया पर आपसी निर्धारण)

विश्लेषणात्मक वाचन

- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें -

  जैसे :

  - टिकट बाबू की परेशानियों का कारण क्या है?
  - टिकट बाबू पर लेखक के शब्दों का अजीब असर पड़ा। क्यों?
  - टिकट बाबू को नई ताकत कैसे मिली?
  - सच्चे हृदय से निकलनेवाले शब्दों का क्या असर होता है?

  (प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

- टिकट बाबू से संबंधित घटना का ज़िक्र करते हुए लेखक अपने मित्र को पत्र लिखता है। वह पत्र तैयार करें। (वैयक्तिक कार्य)

(अध्यापिका का निर्धारण)

सूचनात्मक वाचन

- निबंध के पाँचवें अंश का (एक बार मैं..... सुख तो पहुँचा सका।) वाचन करें और अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ निकालें।
- अध्यापिका प्रश्न पूछें।

  जैसेः

  - क्लर्क का तमाम दिन कैसे बीतता है?
  - क्लर्क के किस गुण का सम्मान किया गया?

  (प्रतिक्रिया पर आपसी निर्धारण)

विश्लेषणात्मक वाचन

- क्लर्क का चेहरा प्रसन्नता से क्यों खिल उठा?
- लेखक को भी बड़ी प्रसन्नता हुई। क्यों?

(प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

- अनुवर्ती कार्य (विज्ञापन) चलाएँ।

पत्थर की बैंच

अधिगम उपलब्धियाँ

3.4 बीसवीं सदी के अंतिम दशक की कविता का आस्वादन करके टिप्पणी लिखता है।

3.5 चित्रवाचन करके संकेतों के आधार पर लेख लिखता है।

3.6 अपना स्वत्व खोजता है।

आशय एवं धारणा

समकालीन कविता व्यक्ति एवं समाज की आशंकाओं को संप्रेषित करती है।

समय : 5 घंटे

सामग्री : वीडियो / चित्र 6

गतिविधि / प्रक्रिया

प्रवेश कार्य

- सार्वजनिक जगहों से संबंधित वीडियो / चित्र का प्रदर्शन।
- अध्यापिका प्रश्न पूछें।

  जैसे : यह किससे संबंधित वीडियो/चित्र है?
- वीडियो/चित्र में कौन-कौन से दृश्य हैं?
  - क्या आप ऐसी जगहों से परिचित हैं?
  - क्या आप ऐसी जगहें पसंद करते हैं ? क्यों?
  - ऐसी जगहों की विशेषताएँ क्या-क्या हैं?
  - हमारी जिंदगी में इनका महत्व क्या है?

(प्रतिक्रिया पर आपसी निर्धारण)

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

मनुष्य की ज़िंदगी में सार्वजनिक जगहों की महत्वपूर्ण भूमिका है, जहाँ सुख-दुख का, आशा-निराशा का, मोहब्बत का लेन-देन होता है। हम चर्चा करेंगे पत्थर की बैंच कविता पर ।

वाचन प्रक्रिया - **सूचनात्मक वाचन**

- दो-एक छात्रों का सस्वर वाचन।
- छात्र कविता पढ़ें और अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ निकालें।

(शब्दार्थों के चयन पर स्वनिर्धारण)

- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें :
  - पत्थर की बैंच पर कौन-कौन बैठे हैं?
  - बच्चा क्या कर रहा है?
  - युवक क्या कर रहा है?
  - रिटायर्ड बूढ़ा क्या कर रहा है?
  - वे दोनों क्या कर रहे हैं?
  - पत्थर की बैंच पर क्या-क्या अंकित हैं?
  - पत्थर की बैंच के लिए क्या शुरू हो सकता है?
  - कवि को किस बात का पता नहीं है?

(प्रतिक्रिया पर आपसी निर्धारण)

- छात्रों से पहला अनुवर्ती कार्य (पन्ना सं-63) करवाएँ।

(अध्यापिका का निर्धारण)

विश्लेषणात्मक वाचन

- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें-
  - 'जिसपर वे दोनों

  जिंदगी के सपने बुन रहे हैं-'

  वे दोनों कौन-कौन हैं?
  - पत्थर की बैंच पर बैठे हुए लोगों की (बच्चा, युवक, रिटायर्ड बूढ़ा, प्रेमी-प्रेमिका) संवेदनाएँ क्या-क्या हैं?
  - सबों ने पत्थर की बैंच का सहारा लिया, क्यों ?

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

खुली जगह में पड़ी रहनेवाली पत्थर की बैंच का सहारा लेने पर दिल हल्का बन जाता है।

- पत्थर की बैंच किसका प्रतीक है?

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

पत्थर की बैंच इंसानियत का, शांति का, विश्राम का, तसल्ली का, प्यार का प्रतीक है।

(छात्रों की प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

- चर्चा करें।
  - पत्थर की बैंच का कवि क्यों आशंकित है?
- सफल चर्चा के लिए परिशिष्ट पन्ना संख्या 115, कवि की ई-मेल पढ़ने का अवसर दें।

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

कवि आशंकित है कि स्वार्थता भरी दुनिया में न जाने इस पत्थर की बैंच की भी बरबादी हो जाए।

- दो-एक छात्र द्वारा कविता का सस्वर वाचन।
- चित्रवाचन कराएँ।

(अनुवर्ती कार्य पन्ना सं. 63-64)

- संकेतों के आधार पर लेख लिखें।

(अनुवर्ती कार्य पन्ना सं - 64)

- संशोधन प्रक्रिया
- वाक्य रचनापरक एवं रूपपरक संशोधन-प्रक्रिया चलाएँ।

(निर्धारण सूचकों के आधार पर (पन्ना सं - 64) स्वनिर्धारण)

- ऑडियो / वीडियो द्वारा कविता की प्रस्तुति।
- छात्र वैयक्तिक रूप से 'पत्थर की बैंच' की आस्वादन-टिप्पणी लिखें ।

'पत्थर की बैंच' समकालीन सामाजिक समस्या को रेखांकित करनेवाली कविता है। मनुष्य अपना सुख-सुख, प्रेम-विरह और थकान-विश्राम की संवेदनशील स्मृतियाँ समेटकर जीता है। कवि देखता है कि पार्क में वर्षों पुरानी एक पत्थर की बैंच पड़ी है। कवि उस बैंच के चार दृश्य हमारे सामने प्रस्तुत करते हैं। एक दृश्य में एक रोनेवाला बच्चा पत्थर की बैंच का सहारा लेता है और बिस्कुट कुतरते हुए चुप हो जाता है। दूसरे दृश्य में एक थका हुआ युवक अपने टूटे हुए सपनों को लेकर बैंच पर बैठा है और अपने सपनों को एक बार फिर सहलाने लगता है। तीसरे दृश्य में एक रिटयार्ड बूढ़ा भरी दुपहरी में हाथों से आँखें ढाँपकर बैठा सो रहा है। चौथा दृश्य एक प्रेमी-प्रेमिका का है जो बैंच पर बैठकर ज़िंदगी के सपने बुन रहे हैं। कवि ने देखा, पत्थर के इतिहास में आँसू, थकान, विश्राम, प्रेम जैसी अनियंत्रित संवेदनाएँ भरी हुई हैं।

परंतु इन सबको देखनेवाला कवि आशंकित है। इतिहास उन्हें डराता है। अपनी स्वार्थता के लिए कोई भी किसी भी समय ऐसे सार्वजनिक स्थलों का सत्यनाश कर सकता है। कवि को डर है कि ऐसे सार्वजनिक स्थलों की हत्या होने पर साधारण जनता अपनी संवेदनाओं को शांत करने से वंचित रह जाएगी।

सृजन की ओर

अधिगम उपलब्धियाँ

3.7 स्रोत सामग्री का आशय ग्रहण करके लक्ष्य भाषा में अनूदित करता है।

आशय/धारणा

- अनुवाद में सृजनपरकता है।

समय : 3 घंटे

सामग्रीः हम होंगे कामयाब - वीडियो/ओडियो)

गतिविधि /प्रक्रिया

प्रवेश कार्य

- "हम होंगे कामयाब..." ऑडियो/वीडियो की प्रस्तुति
- अध्यापिका ये प्रश्न करें-
  - क्या आपने यह गीत सुना है?
  - गीत का भाव क्या है?
  - गीत से क्या संदेश मिलता है?

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

यहाँ हमने एक प्रेरणादायक मशहूर गीत सुना। इस गीत का अनुवाद कई भाषाओं में हुआ है। अनुवाद कविता का हो, कहानी का हो, उपन्यास का हो या अन्य किसी विधा का, वह सर्जनात्मक हो। अब हम जाएँगे, अनुवाद की ओर, सृजन की ओर।

- **अध्यापिका कहें -**

'बढ़ती बीमारियाँ' संपादकीय पढ़कर एक पाठक ने संपादक के नाम पत्र लिखा है। वह पत्र पढ़ेंगे।

वाचन प्रक्रिया

Letter to the Editor (पन्ना सं. 66)

- छात्र वैयक्तिक रूप से वाचन करें।
- निम्नलिखित अंग्रेज़ी शब्द के अर्थ सूचित करनेवाले हिंदी शब्द लिखें -

(पन्ना सं 66 में दिए गए हिंदी परिच्छेद की सहायता से)

• epidemics • increasing • special appreciation • malody • single mindedly • scientific • boast off • utter disgrace l role • prevent • technological

छात्रों की प्रस्तुति

(प्रस्तुति के आधार पर आपसी निर्धारण)

- अध्यापिका पहला अनुवर्ती कार्य (पन्ना सं. 66) करवाएं।

(प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

पाठकनामा

- दूसरा अनुवर्ती कार्य करवाएं (पन्ना सं. 66)
- टीचर-वेर्शन के आधार पर स्वनिर्धारण।
- अनुवर्ती कार्य (पन्ना सं. 67) करवाएँ।

- **जलस्तंभ को साफ करें और ढकें।**
- **अपने आसपास के परिवेश को साफ करें और बुनियादी सफाई सुविधाएँ सुधारें।**
- **डेंगु और चिकनगुनिया आदि के प्रति सतर्कता दिलाएँ।**
- **प्रजनन स्थलों को हटाने में सहयोग दें।**

- अध्यापिका यह संवाद बोर्ड पर लिखें-

Aravind : Did you send the mail to chandrakanth Devthale?

Razia : Yes, I sent yesterday,

Aravind : Did you get the reply?

Razia : Yes, he described a lot of things about his poem

Aravind : Can you send his message to me?

Razia : Ofcourse

- छात्र संवाद पढ़ें और उसका हिंदी में अनुवाद करें।
- छात्रों की मदद के लिए ये शब्दार्थ बोर्ड पर लिखें।

जैसे :

reply	-	जवाब
described	-	विवरण दिया
lot of things	-	बहुत सारी बातें
ofcourse	-	ज़रूर

- छात्र ग्रूपों में बैठकर अनुवाद करें।
- संशोधन-प्रक्रिया चलाएं।
- रूपपरक संशोधन पर बल दें।

दुख

अधिगम उपलब्धियाँ

3.8 वर्तमान कहानी की संवेदना एवं शैली पहचानकर कहानी के प्रसंगों का विधांतरण करता है।

3.9 कहानी की विवेचना करके टिप्पणी लिखता है।

3.10 वाद-विवाद में अपना मत तर्कसंगत प्रस्तुत करता है और आलेख तैयार करता है।

3.11 संवेदनशील बनता है।

आशय/धारणा

- संवेदना की अभिव्यक्ति वर्तमान कहानी की विशेषता है।
- व्यक्ति का आत्मसंघर्ष पत्र और डायरी के द्वारा अभिव्यक्त करना संभव है।

समयः 9 घंटे

सामग्रीः वीडियो/चित्र (7)

गतिविधि/प्रक्रिया

प्रवेश कार्य

- 'वीडियो/चित्र का प्रदर्शन
- अध्यापिका प्रश्न पूछें -
  - आपने वीडियो में क्या-क्या दृश्य देखा?
  - इन दृश्यों के प्रति आपका विचार क्या है?
  - इन दृश्यों को देखकर आपको क्या लगा?
- छात्र अपनी प्रतिक्रिया प्रस्तुत करें।

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

दुख का अनुभव सापेक्ष्य है। जब हम दुखी होते हैं, तो लगता है कि अपना दुख ही सबसे बड़ा है। अब हम यशपाल की कहानी दुख में देखेंगे कि दुख कैसे सापेक्ष्य बनता है।

- अधिगम प्रक्रियाएँ सुचारू ढंग से चलाने के लिए दुख कहानी सुविधानुसार भागों में बाँटें।

सूचनात्मक वाचन

- छात्र पहले भाग (जिसे मनुष्य... अप्रिय चर्चा

  चला देगा) का वाचन करें और अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ निकालें।

  (अर्थ के चयन पर स्वनिर्धारण)

- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें -

  जैसेः मन वितृष्णा से कब भर जाता है?

  - बहुत से लोग उसे 'अति' कहेंगे। किसे?
  - हेमा माँ के घर क्यों चली गई ?
  - दिलीप को किसपर भय हुआ ?

  (प्रतिक्रिया पर छात्रों का आपसी निर्धारण)

विश्लेषणात्मक वाचन

- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें -
  - अपने निकटतम व्यक्ति से अपमान और तिरस्कार होने पर मनुष्य की दशा क्या हो जाती है?
  - ज़िंदगी में कभी-कभी एक-एक मिनट गुज़ारना भी मुश्किल हो जाता है - कब?

  (प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

सूचनात्मक वाचन

- छात्र दूसरे अंश (वह उठा... साढ़े नौ बज गए) का वाचन करें और अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ निकालें।
- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें -

  जैसेः दिलीप के मस्तिष्क की व्याकुलता कुछ कम हुई। कब?

विश्लेषणात्मक वाचन

- अध्यापिका ये प्रश्न करें -

  जैसेः दिलीप क्यों व्याकुल था?

- दिलीप ने संतोष का एक दीर्घ-निश्वास लिया, क्यों?

(छात्रों की प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण।)

सूचनात्मक वाचन

- छात्र तीसरे भाग का (स्वयं सह अन्याय... व्यस्त और रोचक है) वाचन करें और अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ निकालें।

  (शब्दार्थों के चयन पर स्वनिर्धारण)

- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें -

  जैसेः • दिलीप का मन कुछ हल्का हो गया था - कब?

  • बिजली का लैंप किस प्रकार अपना प्रकाश सड़क पर डाल रहा था?

विश्लेषणात्मक वाचन

- अध्यापिका ये प्रश्न करें।

  • स्वयं सह अन्याय के प्रतिकार की एक संभावना देख उसका मन कुछ हल्का हो गया था- यहाँ प्रतिकार की संभावना क्या थी?

  • 'सौर जगत के यह अद्‌भुत नमूने थे।' यहाँ अद्‌भुत नमूने क्या हैं?

  • मनुष्य के बिना भी संसार कितना व्यस्त और रोचक है। कैसे?

प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण

सूचनात्मक वाचन

- छात्र चौथे भाग का (कुछ कदम... रख दी गई थी) वाचन करें और अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ निकालें।

(शब्दार्थों के सही चयन पर स्वनिर्धारण।)

- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें -

  जैसेः • कोई श्वेत-सी चीज़ दिखाई दी। वह कौन थी ?

  • खोमचे बेचनेवाले छोटे लड़के की हालत का वर्णन कैसे किया गया है ?

(प्रतिक्रिया पर आपसी निर्धारण)

विश्लेषणात्मक वाचन

- अध्यापिका यह प्रश्न करें।

- उसने आशा की एक निगाह उसकी ओर डाली, और फिर आँखें झुका लीं । यहाँ बालक की कौन-सी चरित्रगत विशेषता प्रकट होती है?

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

बिक्री की प्रतीक्षा में बालक ने आशा की एक निगाह दिलीप पर डाली। गरीब होने पर भी वह स्वाभिमानी है, बिक्री के लिए हाथ फैलाना या याचना करना वह नहीं चाहता। इसलिए उसने आँखें झुका लीं।

- 'लड़के के मुख पर खोमचा बेचनेवालों की-सी चतुरता नहीं थी, बल्कि उसकी जगह थी एक कातरता'- यहाँ 'चतुरता एवं 'कातरता' शब्दों का तात्पर्य क्या है? (छात्रों की प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

सूचनात्मक वाचन

- छात्र पाँचवें भाग का (दिलीप ने सोचा..... परंतु उत्तर दिया - "होंगे, तुम चलो"।) वाचन करें और अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ निकालें।
- अध्यापिका ये प्रश्न करें।
  - ठंडी रात में कौन-कौन बाहर हैं?
  - कौन-सी चीज़ मनुष्य-मनुष्य में भेद की सब दीवारों को लाँघ जाती है?
  - बालक की प्रफुल्लता दिलीप के किस प्रश्न से उड़ गई?
  - दिलीप क्यों लड़के के घर चला?

(छात्रों की प्रतिक्रिया पर आपसी निर्धारण)

- पहला अनुवर्ती कार्य (पन्ना संख्या - 78) कराएँ।

विश्लेषणात्मक वाचन

- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें -
  - 'आठ पैसे का खोमचा बेचने जो इस सर्दी में निकला है उसके घर की क्या अवस्था होगी, यह सोचकर दिलीप सिहर उठा' - क्या आप सोच सकते हैं कि बालक के घर की अवस्था क्या होगी?
  - बच्चे ने घबराकर कहा - "पैसे तो घर पर भी न होंगे।" दिलीप सिहर उठा। दिलीप के सिहर उठने का कारण क्या होगा?

(छात्रों की प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

सूचनात्मक वाचन

- छात्र छठे भाग का (पन्ना संख्या 74-75, लड़का खाली थाली... इसी दरवाज़े में लड़का चला गया) वाचन करें और अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ निकालें।

(शब्दार्थों के सही चयन पर स्वनिर्धारण)

- अध्यापिका ये प्रश्न करें।
  - लडके की माँ को नौकरी से हटा दिया। क्यों?
  - जगतू की माँ को नौकरी से क्यों निकाल दिया ?

विश्लेषणात्मक वाचन

- बाबु की घरवाली ने लड़के की माँ को हटाकर जगतू की माँ को रख लिया है। यहाँ समाज की कौन-सी मनोवृत्ति प्रकट हुई है?

धनी लोग गरीबों के गरीबीपन का शोषण करते हैं । यहाँ नौकरी के क्षेत्र में होनेवाले आर्थिक शोषण का दृश्य है।

- स्कूलवालों ने लड़कियों को घर से लाने के लिए मोटर रख ली है और उसे निकाल दिया है। यहाँ कहानीकार किस सामाजिक समस्या की ओर इशारा करते हैं?
- 'एक बड़ी खिड़की के आकार का दरवाज़ा' - के प्रयोग से कहानीकार क्या बताना चाहते हैं?

(छात्रों की प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

सूचनात्मक वाचन

- छात्र कहानी के सातवें अंश (दिलीप ने झाँककर देखा..... दिलीप अँधेरे में पीछे हट गया) का वाचन करें और अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ लें।

(शब्दार्थों के चयन पर स्वनिर्धारण)

- अध्यापिका ये प्रश्न करें।
  - कोठरी के भीतर दिलीप ने क्या-क्या देखा?

विश्लेषणात्मक वाचन

- "बेटा, रुपया बाबुजी को लौटाकर घर का पता पूछ लें, पैसे कल ले आना"। यहाँ माँ की कौन-सी चरित्रगत विशेषता प्रकट होती है?

ईमानदारी, दूसरों पर विश्वास, दूसरों को मानना, स्वाभिमान

- दिलीप ने शरमाते हुए कहा - क्यों?

माँ की सच्चाई और ईमानदारी से प्रभावित होकर

- स्त्री क्यों 'नहीं-नहीं' करती रह गई?

स्त्री का स्वाभिमान

(छात्रों की प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

सूचनात्मक वाचन

- छात्र आठवें अंश (स्त्री के मुर्झाए, कुँहलाए चेहरे.... दाँतों से होंठ दबा वह पीछे हट गया) का वाचन करें और अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ लें।

(शब्दार्थों के सही चयन पर स्वनिर्धारण)

- अध्यापिका ये प्रश्न करें -
  - स्त्री के चेहरे पर कृतज्ञता और प्रसन्नता की झलक कब छा गई?
  - लड़के ने मुँह बना कहा, क्यों?
  - बेटा कब रीझ गया?

(प्रतिक्रिया पर आपसी निर्धारण)

विश्लेषणात्मक वाचन

- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें।
  - लड़का पुलकित है - क्यों?

मेहनत की रोटी मीठी होती है।

  - बेटा बचपन के कारण रूठा था। मगर घर की हालत से परिचित भी था। इस कथन का तात्पर्य क्या है?

बेटा बचपन की चपलता के कारण रूखी-सूखी रोटी पर रूठ जाता है। मगर अपने अनुभव से घर की परेशानी पहचानता है। तब बचपन की चपलता परिपक्वता में बदल जाती है।

बचपन में ही बालक माँ के साथ परिवार का भार अपने कंधे पर उठाता था। परंतु अच्छा भोजन खाने के लिए वह दिन-दिन ललचा रहा था। इसलिए थोड़े समय के लिए वह रूठ गया था।

- 'मुझे अब भूख नहीं है तू खा'। माँ ऐसा क्यों कह रही है?

माँ की ममता और बेटे के भविष्य की सोच।

(छात्रों की प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

सूचनात्मक वाचन

- छात्र कहानी के अंतिम अंश ("मकान पर आकर वह बैठा ही था..... यह रसीला दु:ख तुम्हें न मिले तो जिंदगी दूभर हो जाए") का वाचन करें और अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ें।

(शब्दार्थों के सही चयन पर स्वनिर्धारण)

- अध्यापिका ये प्रश्न करें।
  - नौकर विस्मित खड़ा रहा। क्यों?
  - हेमा ने पत्र की पहली लाइन में क्या लिखा था?

(प्रतिक्रिया पर आपसी निर्धारण)

विश्लेषणात्मक वाचन

- दिलीप को भूख नहीं लगी। क्यों?

माँ का 'भूख नहीं' कहना याद आने पर

- 'रसीला दुख' से तात्पर्य क्या है?

(छात्रों की प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

- अनुवर्ती कार्य - 2 चलाएँ। (पृ.सं - 78) पत्र-लेखन (ग्रूप कार्य)
- किसी एक ग्रूप की प्रस्तुति।
- संशोधन-प्रक्रिया चलाएँ।
- रूपपरक एवं वाक्य रचनापरक संशोधन पर बल दें।
- वैयक्तिक रूप से पुनर्लेखन

(सूचकों के आधार पर स्वनिर्धारण)

- स्वाभाविक शुरुआत है।
- मन की व्यथा प्रकट की है।
- विवशता प्रकट की है।
- पत्र की रूपरेखा है।

- अनुवर्ती कार्य - 3 चलाएँ।
- डायरी लेखन

(डायरी पर स्वनिर्धारण)

- अनुवर्ती कार्य - 4 चलाएँ।

सहायक संकेत

माँ	**दिलीप**
• गरीबी • ममता	• गरीबी का अभाव • उदासी एवं असंतुलित मन

(टिप्पणी पर अध्यापिका का निर्धारण)

- वाद-विवाद चलाएँ (अनुवर्ती कार्य)
- पन्ना सं 79 की गतिविधियाँ अपनाएँ।

सकारात्मक पक्ष

- नए-नए आविष्कार
- सुख-सुविधा का साधन
- उत्पादन बढ़ना
- नए नए खोज

नकारात्मक पक्ष

- आलस का बढ़ना
- पूजी का पूँजीपतियों के हाथ आना
- शोषण का नया रूप
- बढ़ती बेरोज़गारी
- शहरीकरण का दुष्प्रभाव

(आपसी निर्धारण एवं अध्यापिका का निर्धारण)

- वैयक्तिक रूप से आलेख की तैयारी

(सूचकों के आधार पर स्वनिर्धारण, पन्ना संख्या : 79)

- वाद-विवाद का आलेख-लेखन

(अध्यापिका का निर्धारण)

इकाई-निर्धारण

जैसे :

- निम्नलिखित गद्यांश पढ़ें और प्रश्नों का उत्तर लिखें।

एक वृद्ध संभ्रांत महिला रेलगाड़ी से सफ़र कर रही थी। वे खिड़की के पास बैठकर, बीच-बीच में अपनी मुट्ठी से कुछ चीज़ बाहर फेंकती जा रही थीं। एक सहयात्री ने, जो यह देख रहा था, पूछा, "यह आप क्या कर रही हैं?" उस महिला ने जवाब दिया, ये सुंदर फलों और फूलों के बीज हैं। मैं इन्हें इस उम्मीद से फेंक रही हूँ कि इनमें से कुछ भी अगर जड़ पकड़ लेंगे तो लोगों का इससे कुछ फायदा होगा। पता नहीं इस रास्ते से फिर गुज़रूँ या न गुज़रूँ, इसलिए क्यों न मैं इस संधि का उपयोग कर लूँ?"

- रेलगाडी से कौन यात्रा कर रही थी?
- वे क्या कर रही थीं?
- सहयात्री ने क्या पूछा?
- गद्यांश का संक्षेपण करें।
- संक्षेपण के लिए एक उचित शीर्षक दें।

- निम्नलिखित संवाद का हिंदी में अनुवाद करें।

Athul	:	Why didn't you come yesterday?
Sam	:	I was not well
Athul	:	What happend?
Sam	:	It was raining heavely yesterday,
		I had no umbrella
Athul	:	Don't forget to take umbrella during this season
Sam	:	Ok, my mother also told me

चित्र - 5

चित्र - 6

चित्र - 7